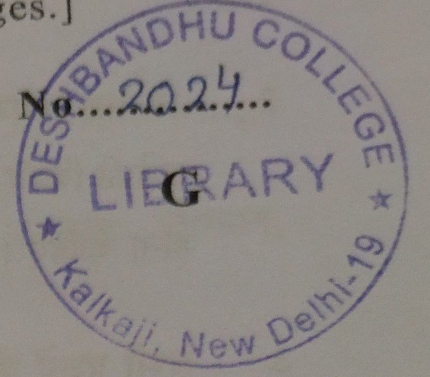


5

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No. 2024...



Sr. No. of Question Paper : 557

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit

Name of the Course : B.A. (Hon.) SANSKRIT

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.



2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### खण्ड - अ / PART - A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए :  
(1×5=5)

Disjoin Sandhis in **any five** of the following:

लाकृतिः, नरेशः, चन्द्रोदयः, सदैव, शयनम्, पावकः, जगदीशः, निश्शब्दः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में सन्धि कीजिए : (1×5=5)

Form Sandhis in **any five** of the following :

अति + उत्तमः, गिरि + इन्द्रः, महा + उदयः, गै + अकः,  
इतः + ततः, भो + अनम्, तत् + टीका

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच समस्तपदों का विग्रह कीजिए :

(2×5=10)



Separate compound-words in **any five** of the following :

उपकृष्णम्, यथाशक्ति, भूतबलिः, घनश्यामः, दशाननः, अब्राह्मणः, चोरभयम्,  
कृष्णार्जुनौ

4. निम्नलिखित में से किन्हीं छह रेखांकित पदों में विभक्ति बताइए :  
(2×6=12)

Identify the case-ending in **any six** of the following  
underlined words :

- (i) ग्रामम् परितः नदी अस्ति ।  
(ii) रामेण सह सीता गच्छति ।  
(iii) अक्षणा काणः ।  
(iv) सः बालकाय मोदकं ददाति ।  
(v) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति ।  
(vi) सः चौराद् विभेति ।  
(vii) क्रोशं कुटिला नदी ।  
(viii) तिलेषु तैलं भवति ।  
(ix) रामस्य पुत्रः गच्छति ।



5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों के प्रकृति-प्रत्यय का निर्देश कीजिए : (1×5=5)

Disjoin root and suffix of **any five** of the following words :

पातव्यम्, हतवान्, भीतः, लब्धम्, गन्तव्या, पठन्, पचमानः, भूत्वा, आगत्य, कर्त्तुम्

- (ख) निम्नलिखित प्रकृति-प्रत्ययों को जोड़कर पाँच पदों का निर्माण कीजिए : (1×5=5)

Form **any five** words by joining root and suffix from the following :

नी + तव्यत्, पठ् + अनीयर्, कृ + तव्यत्, भक्ष् + अनीयर्,  
पा + क्त, कम्प् + क्तवतु, सेव् + शानच्, दृश् + क्त्वा,  
आ + दा + ल्यप्, पा + तुमुन्

### खण्ड - ब / PART - B

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं आठ शब्दों के रूप निर्देशानुसार लिखिए : (1×8=8)

Write the form of **eight** words of the following as directed :



- (i) राम, चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- (ii) कवि, तृतीया विभक्ति, बहुवचन
- (iii) शिशु, प्रथमा विभक्ति, बहुवचन
- (iv) पितृ, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- (v) लता, चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- (vi) वाक्, सप्तमी विभक्ति, एकवचन
- (vii) फल, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- (viii) युष्मद्, प्रथमा विभक्ति, बहुवचन
- (ix) अस्मद्, द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- (x) तत्, पुल्लिङ्ग, तृतीया विभक्ति, बहुवचन

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच क्रियापदों के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन बताइए : (2×5=10)

Identify the Root (धातु), Lakar (लकार), Person (पुरुष) and Number (वचन) of **any five** of the following verbal forms :

कुर्मः, गृहाण, दास्यामः, स्यात्, गच्छानि, अपश्यः, तिष्ठे, सेवस्व



## खण्ड - स / PART - C

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :  
(2×5=10)

Translate **any five** of the following sentences in to  
Sanskrit :

- (i) हम लोग दौड़ते हैं।

We run.

- (ii) वह कलम से लिखता है।

He write with a pen.

- (iii) तुमलोग गाँव से आते हो।

You come from the village.

- (iv) वे लोग कहाँ गये?

Where did they go?

- (v) मैं वहाँ जाऊँगा।

I will go there.

- (vi) यहाँ पाँच छात्र हैं।

Five students are here.



(vii) उसे पढ़ना चाहिए।

He should read.

(viii) मैंने खाना खाया।

I ate food.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(2×5=10)

Correct **any five** of the following sentences:

(i) चत्वारः बालकाः अस्ति।

(ii) वयं पुस्तक पश्यामि।

(iii) त्वं राज्यं रक्षति।

(iv) ग्रामस्य निकषा वनं अस्ति।

(v) हरिं नमः।

(vi) रामाय विना अयोध्या शून्या।

(vii) माम् मोदकं रोचते।



10. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच में वाच्यपरिवर्तन कीजिए :

(2×5=10)

Change the voice in **any five** of the following :

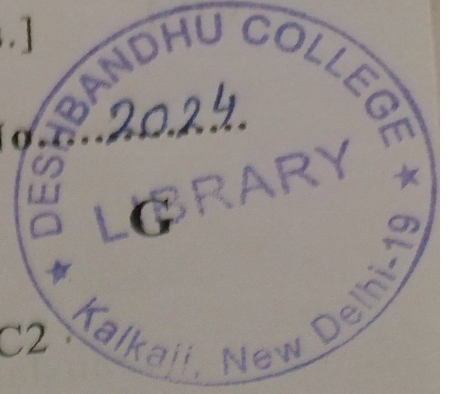
- (i) सः पाठं पठति।
- (ii) विद्या विनयं ददाति।
- (iii) मया त्वं दृश्यसे।
- (iv) शिशुना पयः पीयते।
- (v) वयम् तिष्ठामः।
- (vi) रामः रावणम् हतवान्।
- (vii) रामेण शीयते।
- (viii) अहं त्वाम् पश्यामि।



6

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No. 2024



Sr. No. of Question Paper : 604

Unique Paper Code : 2132101102-DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : B.A. (Hons.) SANSKRIT

Semester : I

Maximum Marks : 90

Duration : 3 Hours

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।



1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का अनुवाद कीजिए :

(6×2=12)

Translate any **two** of the following verses :

- (i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडय -

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितिः ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादये -

न्नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमारा धयेत् ॥

- (ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नममनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।

- (iii) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः ।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ॥



(iv) च्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जुम्भते

छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते ।

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते

नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(9×2=18)

Explain with reference to the context of any two of the following :

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ॥

(ii) निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम् ।

उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात् ॥



(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ॥

(iv) अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम् ।

नयत्ययुगमच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** of the following in Sanskrit:

- (i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।
- (ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।
- (iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(12×3=36)



Answer any **three** of the following :

- (i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।

Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

**अथवा / OR**

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है - इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society - Examine this statement.

- (ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.



अथवा / OR

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा / OR



‘भारवेरर्थगौरवम्’ - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement – ‘भारवेरर्थगौरवम्’.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए।  
(15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write detail notes on any two of the following :

(i) जयदेव

(Jayadeva)

(ii) अमरुशतक

(Amrushatak)



(iii) भर्तृहरि

(Bhartrihari)

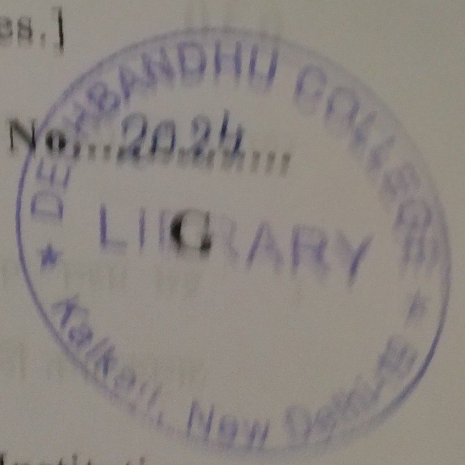
(iv) विल्हण

(Bilhana)



[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. 2024



Sr. No. of Question Paper : 630

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions and Polity

Name of the Course : B.A. (H), DSC-3

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are total 7 questions in this question paper. Attempt any 5 questions. Each question contains equal marks.



### छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. इस प्रश्नपत्र में कुल 7 प्रश्न हैं । इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सबके अंक समान हैं ।

1. धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके भेदोपभेदों का वर्णन करें ।

Discuss the nature of Dharma and its different types.

2. पुरुषार्थ चतुष्टय का वर्णन करें ।

Describe Purushartha Chatushtaya.



3. वर्ण व्यवस्था का वर्णन करें।

Discuss the Varna System.

4. प्राचीन भारत में नारी की स्थिति का मूल्यांकन करें।

Evaluate the position of women in Ancient India.

5. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार कल्याणकारी राजव्यवस्था की अवधारणा का वर्णन करें।

Discuss the concept of Welfare State, according to Kautilya's Arthasastra.

6. षड्गुण्य सिद्धान्त का वर्णन करें।

Describe the theory of Shadgunya.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी करें :

Write notes on any **three** of the following :



(क) सप्ताङ्ग सिद्धान्त (Principle of Saptanga)

(ख) मण्डल सिद्धान्त (Mandala Theory)

(ग) कौटिल्य (Kautilya)

(घ) शुक्राचार्य (Sukracarya)